

19 MAY 2022

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No.

Sr. No. of Question Paper : 3435

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : B.A. (Hon.) DSE, LOCF Sanskrit

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।



1. भाषाविज्ञान की उपादेयता का विवेचन कीजिए।
Describe the utility of linguistics.
अथवा (Or)
भाषाविज्ञान के प्रमुख अङ्गों का विवेचन कीजिए।
Discuss the main components of linguistics.
2. भाषा विज्ञान की दृष्टि से भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
Explain the nature of language in the point of view of linguistics.
अथवा (Or)
भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
Discuss the characteristics of the language.
3. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए।
Give an introduction of Indo-European family of language.
अथवा (Or)
मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।
Highlight the evolution of Sanskrit from Proto Indo-European language.
4. भाषाविज्ञान के अनुसार पद-विज्ञान का परिचय दीजिए।
Give an introduction of morphology according to linguistics.
अथवा (Or)
संस्कृत की दृष्टि से अर्थ-विज्ञान का वर्णन कीजिए।
Explain semantics from the point of view of Sanskrit.
5. संस्कृत की ध्वनियों का परिचय दीजिए।
Introduce the phonetics of Sanskrit.
अथवा (Or)
आधुनिक भाषाविज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
Discuss the importance of Sanskrit in the light of modern linguistics.

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on the following:

(1) संस्कृत एवं प्राकृत का सम्बन्ध
Relation between Sanskrit and Prakrit
अथवा (Or)
वाक्यों के प्रकार
Types of sentence

(2) ध्वनिपरिवर्तन के कारण
Causes of phonetic changes
अथवा (Or)
रूप परिवर्तन के कारण
Causes of morphological changes

(3) पाणिनि काल
Panini period
अथवा (Or)
कृदन्त
Kridant